समावेशीकरणको दिशामा एउटा फड्को :
गोरखापत्रद्वारा प्रकाशित भोजपुरी भाषा पृष्ठ

वि.सं. २०६६ भदौ १६ गते मङ्गलबार

नयाँ नेपाल

गोरखापत्र

मातृभाषा के प्रादेशिक मान्यता दिहल जा सकेला

सूचना आ संचारमंत्री शंकर पोखरेल बतइले बाड़न कि मातृभाषा के वक्ता के संख्या के आधार पर प्रादेशिक भाषा के मान्यता दिहल जा सकेला। तामाङ पत्रकार समूह के ओर से भादो ४ गते विफे के दिन राजधानी में कइल गयल कार्यक्रम में उहीं के बतइनी कि संदीय राज्य के कामकाजी भाषा के रुप में समेत मातृभाषा के प्रयोग होसकेला। उ आगे बतइलन कि "बाकिर उ भाषा बहुसंख्यक के बोलिचाली के भाषा होए के चाही। कार्यक्रम में आदिवासी स्थायी मंच के पूर्व उपाध्यक्ष परशुराम तामाङ संघीय राज्य में भाषा के भूमिका के बारे में ध्यान देवे के चाही कहके बतइलन।

भाषा संस्कृति संरक्षण तथा प्रवर्द्धन केन्द्र- नेपाल के गठन

नेपाल में रहल सब भाषा, संस्कृति रहन सहन, भेषभूषा के संरक्षण आ प्रवर्द्धन करे उद्धेश्य रखइत इहे भादो १४ गते भउच प्रसाद यादव के अध्यक्षता में सात सदस्यीय कार्य समिति के गठन करल गइल। कार्य समिति गठन के समय में भाषा आ संस्कृति से जोड़ल व्यक्तित्व लोग के साथेसाथ करीब ११० आदमी के उपस्थिति रहे। राज्य के नया संरचना होरहल अभी के अवस्था में भाषा आ संस्कृति बहुत भारी महत्व राखेला। नेपाल जइसन भाषिक आ सांस्कृतिक विविधता रहल देश में पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव से नेपाल के भाषा संस्कृति के बांचावे खातिर साथेसाथ लोपुन्मुख अवस्था में रहल भाषा संस्कृति के संरक्षण आ प्रवर्द्धन करे खातिर ई संस्था गठन करल गइल बा कहके संस्था के अध्यक्ष भउच प्रसाद यादव बतइलन।

नया तराई - मधेश लोकतान्त्रिक पार्टी के गठन

तराई मधेश के आदिवासी जनजाति के संगठित करत पहिचान आ समानता के लड़ाई लड़े खातिर रामजनम चौधरी के नेतृत्व में नया तराई - मधेश लोकतान्त्रिक पार्टी के गठन करल गइल बा। पार्टी के संयोजक में रामजनम चौधरी, सहसंयोजक में जितबहादुर चौधरी, महासचिव में सुरेश सिंह दनुवार के चयन करल गइल बा।

ओहीं तरे २५ सदस्यीय कार्यसमिति बनावल गइल बा कहके पार्टी के महामन्त्री गोविन्द चौधरी प्रेस विज्ञप्ति के माफत जानकारी करइलन। पार्टी के सदस्य लोग में प्रेमवती राना, नित्यानन्द ताजपुरिया, राम अग्रे, मेही लाल, तेजनारायण, सोहनलाल , वीर राम रत्न, पुरणप्रसाद, छविलाल चौधरी, विजय चौधरी, रामप्रसाद सीकत, हरिमोहन, शिवनारायण सिंह, हरिदेव सिंह, वीणा थनेत , चुलाई कुमार, टेक बाहादुर लामा, शोभाराम राना,सुवरण देवी दनुवार, श्याम कुमारी राजवंशी, राजवती देवी, फलासदेवी दनुवार के नाम बा कहके विज्ञाप्ती में जनावल गइल बा।

बारा जिला सिम्रौनगढ के कर्मचारी के तलव १ सय ५० रोपेया

सिम्रौनगढ के कंकाली मन्दिर

नेपाल के ऐतिहासिक, पुरातात्विक आ पर्यटन के दृष्टिकोण के महत्वपूर्ण मानल जाएवाला बारा जिला सिम्रौनगढ राम-जानकी मन्दिर के कर्मचारी के तलब विगत ३० वरिष से १ सय ५० रोपेया मातर बा कहके पीडित पक्ष के ओर से बतावल गइल। जम्मा १२ गो कर्मचारी रहल ई मन्दिर के नेपाल के तत्कालिन मुस्तियार जंगबहादुर राणा के बेटा जगतचन्द बनइले बा कहके स्थानीय लोग के कहनाम बा। मन्दिर के रेखदेख, पूजा पाठ, स्नाना पकावे खातिर मन्दिर भित्तर के काम धन्दा करे खातिर खटावल गइल कर्मचारी लोग सेवा सुविधा, तलब तनखा वीरगंज गुठी संस्थान उपलब्ध करवते आरहल बा। स्मरण रहो कि ई रामजानकी मन्दिर आ ऐकर सब जग्गा - जमीन, पोखरी, फूलबारी वीरगंज गुठी संस्थान के मातहत में बा।

नेपाल भोजपुरी विद्यार्थी समाज के बैठक सम्पन्न

काठमाण्डू, ११ भादो : नेपाल ल क्याम्पस मे नेपाल भोजपुरी विद्यार्थी समाज के अध्यक्ष दीपक गुप्ता के अध्यक्षता में एगो वैठक सम्पन्न भइल ।

बैठक के सम्बोधित करत दीपक गुप्ता विभिन्न कारण सें नेपाल भोजपुरी विद्यार्थी समाज के निश्क्रियता पर अफसोस व्यक्त कइलन आ एकरा सक्रिय करे के बारे मे आपन विचार व्यक्त कइलन। वैठक में अन्य लोग के अलावा गगनदेव महतो ,कहारु, आनन्द गुप्ता, प्रियंका पाण्डेय आ-सुनील कुमार पटेल के उपस्थिति रहे। वैठक में ई लोग आपन-आपन विचार स्पष्ट कइलक लोग। वैठक में विभिन्न प्रकार के निर्णय लेहलस लोग। मुख्य निर्णय मे अँजोरिया पत्रिका के फेर से प्रकाशन मे जोर देहलस लोग। ओई लोग के बात सें लागल अँजोरिया पत्रिका जल्दिए मार्केट मे आई। आनन्द गुप्ता आँजोरिया पत्रिका के सब सामाग्री तैयार बा कहके बतइलन। सिर्फ प्रेस मे जाएके देरी बा।

काठमाण्डू में भी मनावल गइल बलभद्र पूजा

काठमाण्डू , १३ भादो :- अग्रवाल धर्मशाला कमलपोखरी में श्री बलभद्र पूजा धुम-धाम से मनावल गइल।

नेपाल कलवार कल्याण समिति काठमाण्डू के आयोजना में सम्पन्न ओह पुजनोत्सब मे देश भर से कलवार लोग के सहभागिता रहे। पूजा में कलवारलोग विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक प्रोग्राम के.भी व्यवस्था कइले रहे। जेतना लोग पहुँचल ओइ सबलोग के प्रसाद आ खाए के व्यवस्था भी कएल गइल रहे।

कलवार लोग में भगवान वलभद्र के विशेष स्थान प्राप्त बा। भगवान श्री कृष्ण के जेष्ठ भ्राता श्री वलराम यानी वलभद्र के वंशज कलवार लोग अपना के मानेला। कलवार लोग के शादी- वियाह में श्री बलभद्र के पूजा बड़ा ही लोकप्रिय बा। प्रत्येक जात के एगो कुल देवता होला। कलवार जात के भी एगो कुल देवता ह जेकर नाम श्री वलभद्र ह।

पिता गोकर्ण सिंह दहाल आ माता जानकी दहाल के जेठ पुत्र के रूप में २०२८ साल सावन २८ गते जिला बारा, कलेया नगरपालिका तत्तकालिन वडा नं. ६ में जनम भइल *प्रमोद सिंह दहाल* नेपाली पत्रकारिता के एगो चर्चित नाम ह। व्यवस्थापन में स्नातक तक के अध्ययन कइले श्री दहाल २०४८ साल में पत्रकारिता पेशा में प्रवेश करत आजु तक *छलफल साप्ताहिक, प्रतिपक्ष, सम्बोधन साप्ताहिक, दृष्टि साप्ताहिक, रेडियो नेपाल* में काम करचूकल बाड़न। अभि तक कार्यभार के दृष्टिकोण से प्रेस चौतारी के संस्थापक सचिव आ दू-दू बेरिया महासचिव, नेकपा एमाले के केन्द्रीय प्रचार विभाग के पूर्व सदस्य, हाल नेपाल पत्रकार महासंघ के केन्द्रीय सदस्य आ *सूचना आ संचार मंत्री के प्रेस सल्लाहकार* के रूप में कार्यरत बाड़न। प्रस्तुत बा गोरखापत्र नया नेपाल भोजपुरी अंक के स्तम्भ "ई कि उ" में मिनि अन्तर्वार्ता :-

आपन परिवार कि आपन देश
- आपन देश
पुष्पलाल कि मदन भण्डारी
- दून् आदमी
माधव कुमार नेपाल कि झलनाथ खनाल
- माधव कुमार नेपाल
प्रचण्ड कि बाबुराम भट्टराई
- प्रचण्ड
वी.पी. कोइराला कि गणेशमान सिंह
- वी.पी. कोइराला
रामचन्द्र पौडेल कि शेरबहादुर देउवा
- शेरबहादुर देउवा
रामराजा प्र. सिंह कि रामवरण यादव
- रामवरण यादव
उपेन्द्र यादव कि विजय कु. गच्छेदार
- विजय कु. गच्छेदार
कार्ल मार्क्स कि माओ त्से तुङ
- कार्ल मार्क्स
आब्रहम लिंकन कि नेलशन मंडेला
- दून् आदमी
भारत कि चिन
- चिन
रुस कि अमेरिका
- अमेरिका
भोजपुरी कि नेपाली
- दून्
दीरा सुरुवाल कि कोट पाइन्ट

- कोट पाइन्ट
तराई कि पहाड
- तराई
लोकतन्त्र कि गणतन्त्र
- गणतन्त्र
राष्ट्रपतीय प्रणाली कि प्रधानमन्त्रीय प्रणाली
- प्रधानमन्त्रीय प्रणाली
एक मधेश एक प्रदेश कि एक मधेश अनेक प्रदेश
- एक मधेश अनेक प्रदेश
समाजवाद कि साम्यवाद
- समाजवाद
केन्द्रीयता कि संघीयता
- संघीयता
राष्ट्रभाषा कि मातृभाषा
- मातृभाषा
बहुदलीय जनवाद कि नौलो जनवाद
- बहुदलीय जनवाद
आस्तिक कि नास्तिक
- नास्तिक
साकाहारी कि मांसाहारी
- मांसाहारी
कलेया कि काठमाण्डू
- कलेया
पत्रकार कि साहित्यकार
- पत्रकार
सम्पत्ति कि इज्जत
- इज्जत
स्वर्ग कि नरक
- दून् पर विश्वास नइखे
धनी कि गरिब
- गरिब
लमहर नेता कि असल नेता
- असल नेता
लक्ष्मीप्रसाद देवकोटा कि लेखनाथ पौड्याल
- दून् आदमी

प्रस्तुति : भउच प्रसाद यादव

संविधान के बारे में कुछ जानकारी

संविधान केकरा के कहल जाला ?
- देश के सब कानून के कानून यानि सर्वोच्च कानून ।
- नागरिक हक, अधिकार आ कर्तव्य के निर्देशिका ।
- देश चलावे के समुचा तौर-तरिक के बारे में जानकारी

संविधान काहे बनावल जाला ?
- बदलत समय के अनुसार देश आ जनता के नया गति देवे खातिर
- नागरिक के हक, अधिकार आ कर्तव्य के गारण्टी आ निर्धारण करे खातिर
- पछाड़ु परल वर्ग आ समुदाय के अगाड़ु लेआवे खातिर
- राष्ट्रिय एकता के मजबुत बनावे खातिर
- देश में दिर्घकालिन शान्ति सुव्यवस्था खातिर

नेपाल में अभितक बनल संविधान सब
- नेपाल सरकार के वैधानिक कानून, २००४
- नेपाल के अन्तरिम शासन विधान, २००७
- नेपाल अधिराज्य के संविधान, २०१५
- नेपाल के संविधान, २०१९
- नेपाल अधिराज्य के संविधान, २०४७
- नेपाल अन्तरिम संविधान, २०६३

संविधान के महत्व
देश चलावे के प्रणाली के निर्धारण
देश के राजनीतिक प्रणाली, आर्थिक व्यवस्था, विदेश नीति, निर्देशन के सिद्धान्त के तोके खातिरराज्य के संघीय स्वरुप के निर्धारण, सरकार के शक्ति के उपर नियन्त्रण
कार्यपालिका व्यवस्थापिका आ न्यायपालिका वीच के संतुलन खातिर

देवी पूजा में घर के देवी के दुर्दशा

- बिम्मी शर्मा

दशहरा आ रहल बा, सबके चेहरा खुस लौकता। जेतना भी महंगाई बढ जाए आ कोई भी आपत-विपत पड जाए तब भी परब त्योहार त मनावही के पड़ी। दशहरा त हमनी के देश के राष्ट्रीय त्योहार ह। ओसे भी सरकार लम्बा छुट्टी देवेला दशहरा मनाए खातिर। १ महिनाके पेरकी भी देवेला। तब भी घर में जनाना सब के ई त्योहार मे दुदर्शा हो जाला। दशहरा में भगवती के १० दिन तक पूजा आराधना करके मनावल जाला ओमे घर के देवी गृहिणी काम करते-करते हरान हो जाली।

बहुत मर्दाना सब घर मे खर्च फेक के अपन दुनिया में मस्त रहेला। दशहरा के मतलब मास शराब आ तास के परब समझल जाला। छुट्टी मे दिनभर तास खेल के संभिया के कौनो भट्टि मे जाके मास चिउरा के आ शराब पिके अपना परब त मर्दाना सब आनन्द से मनाएला। घर में अपन मेहरारु घर खर्च कैसे चलाबतारी ओकरा कौनो दुःख बा कि ना ई पुछेके आ सोचेके सबके फुर्सद नैखे। घर में बच्चा के कचकच, बजार में आइल नया नया चिज किने के फरमाइस पुरा करते-करते माई अपना खातिर एगो ब्लाउज किने भी ना सकेली। महगाई एतना बढ गइल बा कि कम बजेट में त्योहार मनावल बड़ा मुस्कील बा। ओके चलते गृहिणी सब दशा में पर जाली।

मन्दिर में दश दिन तक देबी के जयजयकार होला, मेला लागेला पर गृहिणी के उहे सबेरा उहे संभिया पति आ बच्चा लोगन के फर्माइस पुर करते-करते ओकरा खातिर कब दशहरा आवेला आ कब बित जाला पता भी ना चलेला। पाहुना सब के भी आन-जान लागल रहेला ओमे सबके स्वागत आ विदाई करते-करते गृहिणी के भट्ठा बैठ जाला। कभी-कभी त घरखर्च से बचा-बचाके जोरल १-१ पैसा भी सब खतम हो जाला। तब भी गृहिणी के सबके सामने निमन बने के पड़ेला, हँसे के पड़ेला ओकर दुःख कोई ना देखेला।

दशहरा मे १० दिनतक देवीके पुजापाठ करेवाला लोगन सब गृहिणी के भी दुःख समझ जाई त ओकरा हिस्सा में भी तनिक खुशी आई। जनाना भी हँस के निमन से दशहरा मनाए सकी। दशहरा के खर्च कह करके एक बार दिहल पैसा घरखर्चमे पहुचल कि ना पुहँचल पूछे के जरुरी ना सम्झेला मर्दाना सब। तास खेल के पैसा हारेला , घर में आके गरियाएला। अपन तास खेलेवाला पैसा घर में दित त कितना निमन होइत। बाहर शराब में उड़ाए वाल पैसा जनाना आ बच्चा सबके फर्माइस पूरा करे में अर्च करित शराब पिए से होएवाला किचकिच से भी बची आ परिवार भी खुश रही। ई सब सोचे मे मर्द लोगन दिमाग ना खर्च करेला। खाली अपन संगिसाथी संगे खुश रहेला।

दशहरा मे देवीके वली देवल जाला, ओइसे घरमे भी कसके परिकार खुब बनेला। ई मास परिकार बनावते आ खिलावते में गृहिणी सब के अपन मास आधा हो जाला। दशहरा के बहुत दिन पहिले से गृहिणी मरमसाला आ घर भर के कपडा किने खातिर जुट जाएली। सब बन्दोस्त वाहर कर के जब नौरात्रि शुरु होला सबेरे साझ मन्दिर धावते आ घर के काम करते-करते उ मेगिन बन जाली। तब भी ओकरा के कोई ना पुछेला कि तोहरा के कुछो दुःख आ चिन्ता त ना बा। केतना दुःख के वात बा। सम्पुर्ण संसार के सृष्टिकर्ता मा भगवती के पूजना करेवाला दशहरा त्यौहरा मे अपन घर परिवार खातिर मरमिटेवाली आ नौ महिना तक बच्चा के आपन गर्भ मे रखके सिचेवाली एगो जनाना के अवहेलना करल जाला। जहाँ मन्दिर में एगो देवी कि जयमयकार होला। ओहीं घर में दोसर देबी के दुदर्शा होला। घर के देवी के भी मान प्रतिष्ठा मिलित त ई दशहरा सोना मे सुगन्ध बन जाइत। ■

हरिहर रचनावली

गीत

स्व. हरिहर यादव

हम त मुखिया बानी भइया सबसे इमानदार

विधवा निर्वल के करी भलाई चाहे चूए पसेना
पर उपकार के पथ से भइया पीछे कभी हटिना
अइसन हृदय के उदार भइया सबसे इमानदार
हम त मुखिया .....
निमुस्वा से कबुलियतनामा बचत बखारी पचइनी जामा
का करी केहू उपर वाला कागज में बा टोटल गाला
चटकी में होशियार भइया सबसे इमानदार
हम त मुखिया .....
बउआ हमर उनराधिकारी छप्पन छुड़ी तेज कटारी
तस्कर जुआरी युवक के वैपास्त्री मारग देखावनहार
हम त मुखिया .....

स्थायी स्तम्भ

व्यंग्य कविता

माई के सीख

मुकुन्द आचार्य

राति देर से घरे पहुँचल
आपन नवजवान बेटा के
माई कस के डँटली,
लफंगा कहाँ गइल रहले ?
रात के एक बजता
टाइम में घरे काहे ना अइले ?
बेटा तनि लजाके कहलस्व
माई ! एगो साथी आजु हमरा के
नाचगानवाला होटल में ले गईल
ओतहाँ बड़ा मजा आईल
स्वर्ग के परीसब जब लहूटे नाचो !
त छोड़के घरे आवेके मन ना करे साँचो !
माई फेरु समझवली
बउओ ! ओइसन जगह में
अब भूलके ना जईहे
कवनो लुच्चा बहकावे त
ना जाएम कहिए !
ओइसन बदनाम जागह में
कवनो भलादमी ना जाला
जे जाला से गुण्डा बदमास कहाला
अच्छा बताव त
ओ होटल में तोहरा उको गो
भर भलादमी कवनो लउकल ?
बेटा तनि सोच के कहलस्व
माइ रे ! हम त सउँसे होटल में
एके गो भलादमी के देखँनी !
सब केहू त चुपचाप स्वाद-पियत रहे
नाचेवाली परी थक के चुर रहे
एतने में पापाजी
ठहल हिमलियात केने से नु अइलन
परी के पँजिया के धइलन
आ ओकर चोली में
जबर्जस्ती हजार के नोट दुस देहलन
हम त लजाके भाग अइनी !
भलादमी पापाजी अभी
अइनी कि ना अइनी ? !
माई प्रेम से समझवली ,
बेटा ! बड़का लोग जथि करे
ओइसन ना करेके !
जथि करेके कहस
ओइसने करेके !
भोजपुरी भाषा

वीरगञ्ज - १८

पृष्ठ संयोजक : दिनेश गुप्ता
E-mail :
dinesh.gupta84@yahoo.coim
सह-संयोजक : भउचप्रसाद यादव
पत्राचार ठेगाना :
नयाँ नेपाल, गोरखापत्र दैनिक, पो. ब. नं. २३, काठमाडौं

भोजपुरी भाषा के अगिलका अंक भादो ३१ गते प्रकाशित होई ।